



चम्पारण ज्ञानाग्रह



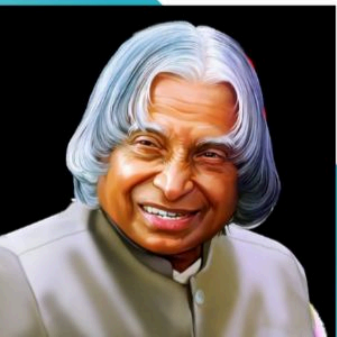
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक- 27 अक्टूबर 2026, अंक -386.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"मन चंगा तो कठौती में गंगा।" — रैदास



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org



Wednesday Prayer

बिहार राज्य गीत

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

राष्ट्रगान

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकाड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

मेरे भारत के कंठहार,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू ही अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

बन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
बन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
बन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
बन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
बन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
बन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
बन्दे मातरम्॥

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंगा।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे॥

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14-18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19-22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23-24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25-28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29-30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) - मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (2.) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भावना की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
- (7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
- (10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
- (11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।



सामान्य-ज्ञान



प्रश्न 1. स्लोवाकिया की राजधानी क्या है?

उत्तर: ब्रातिस्लावा

प्रश्न 2. अखंड भारत में पहली बार डाक टिकट किस शहर से जारी किया गया था?

उत्तर: कराची

प्रश्न 3. 'भुजिया' किस राज्य की पारंपरिक कढ़ाई-कला से संबंधित है?

उत्तर: गुजरात

प्रश्न 4. 15^2 का मान कितना होगा?

उत्तर: 225

प्रश्न 5. बिहार का 'मनेर शरीफ' किस जिले में स्थित है?

उत्तर: पटना

प्रश्न 6. कौन-सा जीव अपने शरीर में पुनर्जनन (Regeneration) की अद्भुत क्षमता के लिए प्रसिद्ध है?

उत्तर: तारामछली

प्रश्न 7. रेडियम की खोज किस वैज्ञानिक दंपति ने की थी?

उत्तर: क्यूरी दंपति

प्रश्न 8. भारतीय संविधान में 'संघ और उसका राज्यक्षेत्र' किस भाग में वर्णित है?

उत्तर: भाग I

प्रश्न 9. 'जो दूसरों से ईर्ष्या करता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?

उत्तर: ईर्ष्यालु

प्रश्न 10. यदि किसी पौधे की पत्तियों पर धूल जम जाए, तो उसकी प्रकाश संश्लेषण की क्षमता पर क्या प्रभाव पड़ सकता है?

उत्तर: घट सकती है

संकलन:-



पिन्दू कुमार

विद्यालय अध्यापक

UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

- 1 Heritage - हेरिटेज - विरासत
- 2 Monument - मॉन्यूमेंट - स्मारक
- 3 Tradition - ट्रेडिशन - परंपरा
- 4 Custom - कस्टम - रीति-रिवाज़
- 5 Folklore - फोकलोर - लोककथा / लोकसाहित्य
- 6 Manuscript - मैन्युस्क्रिप्ट - पांडुलिपि
- 7 Archaeology - आर्कियोलॉजी - पुरातत्व



संकलन:-

सौरभ कुमार

विद्यालय अध्यापक

Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "Who are you going to + V1 + for?"
(तुम किसके लिए ... करने वाले हो?)

तुम किसके लिए खाना बनाने वाले हो? – Who are you going to cook food for?

तुम किसके लिए उपहार खरीदने वाले हो? – Who are you going to buy a gift for?

तुम किसके लिए यह पत्र लिखने वाले हो? – Who are you going to write this letter for?

तुम किसके लिए यह चित्र बनाने वाले हो? – Who are you going to make this picture for?

तुम किसके लिए प्रार्थना करने वाले हो? – Who are you going to pray for?



संकलन:-

अभिनव राज

प्रधान शिक्षक

रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण

प्र.1. प्रतिवर्ष 27 अक्टूबर को यूनेस्को (UNESCO) द्वारा ऐतिहासिक फिल्मों, ध्वनियों व वीडियो रिकॉर्डिंग्स के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: विश्व दृश्य-श्रव्य विरासत दिवस (World Day for Audiovisual Heritage)

व्याख्या: यूनेस्को द्वारा वर्ष 2005 में प्रतिवर्ष 27 अक्टूबर को 'विश्व दृश्य-श्रव्य विरासत दिवस' (World Day for Audiovisual Heritage) के रूप में घोषित किया गया था। यह तिथि 27 अक्टूबर 1980 को यूनेस्को के 21वें आम सम्मेलन में 'चलित चित्रों के संरक्षण और परिरक्षण हेतु अनुशंसा' के पारित होने की स्मृति में चुनी गई। इसका मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के अभिलेखागारों, ऐतिहासिक फिल्मों, वृत्तचित्रों, दुर्लभ रेडियो प्रसारणों और मौखिक इतिहास की ध्वनियों को डिजिटलाइज़ कर आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित करना है ताकि सांस्कृतिक स्मृतियाँ विलुप्त होने से बच सकें।

संदर्भ: UNESCO Official Audiovisual Heritage Portal;

प्र.2. वर्ष 1979 में भारत से शांति का नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाली प्रथम महिला एवं समाज सेविका मदर टेरेसा द्वारा कोलकाता में स्थापित की गई संस्था का क्या नाम है? (समसामयिक/नोबेल विशेष)

उत्तर: मिशनरीज ऑफ चैरिटी (Missionaries of Charity)

व्याख्या: मदर टेरेसा (मूल नाम: एग्नेस गोंक्सा बोजाक्सीहु) को 1979 में 'शांति का नोबेल पुरस्कार' प्रदान किया गया था। वे भारत की नागरिकता धारण कर नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाली प्रथम भारतीय महिला बनीं। उन्होंने 7 अक्टूबर 1950 को कोलकाता में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' (Missionaries of Charity) की स्थापना की तथा कुछ रोगियों, निराश्रितों, अनाथ बच्चों और मरणासन्न बेसहारा लोगों की निःस्वार्थ सेवा के लिए 'निर्मल हृदय' जैसे सेवा गृह शुरू किए। नोबेल समिति ने मानवीय कष्टों को दूर करने और बंधुत्व की भावना को सुदृढ़ करने में उनके अप्रतिम योगदान की सराहना की थी।

संदर्भ: NobelPrize.org Official Archives – Mother Teresa Peace 1979;

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध सामाजिक उपन्यास है, जिसमें अनमेल विवाह के दर्द, दहेज प्रथा की विभीषिका और एक आभूषण (चंद्रहार) के प्रति मानवीय कमजोरी के त्रासद परिणामों का चित्रण है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: निर्मला (1927)

व्याख्या: 'निर्मला' (1927) मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित यथार्थवादी हिंदी उपन्यास परंपरा की एक कालजयी कृति है। यह उपन्यास एक युवा और भोली-भाली लड़की 'निर्मला' के जीवन की त्रासदी पर केंद्रित है, जिसका विवाह दहेज के अभाव में एक अथेड़ उम्र के वकील तोताराम से कर दिया जाता है। उपन्यास में अनमेल विवाह, पारिवारिक कलह, तोताराम के बड़े बेटे मंसाराम पर अनुचित संदेह और सामाजिक संकीर्णता के चलते पूरे परिवार के विनाश का अत्यंत कारुणिक और मर्मस्पर्शी अंकन किया गया है। प्रेमचंद ने इसके माध्यम से तत्कालीन समाज में स्त्री की विवशता और दहेज के अभिशाप पर तीखा प्रहार किया है।

संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद – 'निर्मला', हंस प्रकाशन/राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 11 (अंतरा भाग-1 साहित्य संदर्भ);

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी भी झील या तालाब के पानी में ऑक्सीजन की भारी कमी होने के कारण जलीय जीवों के दम घुटने से मरने और तली में जैविक मलबे के जमा होने की प्रक्रिया को क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: सुपोषण (यूट्रोफिकेशन / Eutrophication)

व्याख्या: जब कृषि क्षेत्रों से रासायनिक उर्वरक (विशेषकर नाइट्रोजन और फॉस्फोरस) बहकर जलस्रोतों में मिलते हैं, तो वहाँ शैवाल की अनियंत्रित वृद्धि (Algal Bloom) हो जाती है। यह प्रक्रिया 'सुपोषण' (Eutrophication) कहलाती है। इन शैवालों के मरने के पश्चात उनके अपघटन हेतु जीवाणु पानी में घुली हुई समस्त ऑक्सीजन (Dissolved Oxygen) का उपयोग कर लेते हैं। इससे जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (BOD) अत्यधिक बढ़ जाती है और जल में ऑक्सीजन का स्तर शून्य के करीब पहुँच जाता है (हाइपोक्सिया), जिससे मछलियों और अन्य जलीय जीवों की दम घुटने से मृत्यु हो जाती है तथा जलाशय धीरे-धीरे दलदल में परिवर्तित हो जाता है।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 16 "पर्यावरण के मुद्दे", p. 275-278;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान फैजाबाद (अयोध्या) में ब्रिटिश सेना को नाकों चने चबवाने वाले और अंग्रेजों द्वारा 50,000 रुपये का नकद इनाम घोषित किए गए महान विद्रोही नेता कौन थे? (इतिहास)

उत्तर: मौलवी अहमदुल्लाह शाह

व्याख्या: मौलवी अहमदुल्लाह शाह (जिन्हें 'डंका शाह' भी कहा जाता था) 1857 के राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम के सबसे प्रखर और दुर्जेय नेताओं में से एक थे। मूलतः तमिलनाडु के मद्रास से संबंध रखने वाले मौलवी साहब ने फैजाबाद को अपनी कर्मभूमि बनाया और अवध के किसानों व सैनिकों को ब्रिटिश शासन को उखाड़ फेंकने हेतु संगठित किया। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ कई खुली लड़ाइयाँ लड़ीं, जिनमें चिनहट का प्रसिद्ध युद्ध शामिल था जहाँ सर हेनरी लॉरेंस की ब्रिटिश सेना को करारी शिकस्त मिली। ब्रिटिश अधिकारी जी. बी. मालेसन ने उनके अदम्य साहस की प्रशंसा करते हुए लिखा था कि वे 1857 के विद्रोह के सच्चे देशभक्त और अद्वितीय रणनीतिकार थे।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55-58;

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत में उड़ीसा और आंध्र प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्र में विशाखापट्टनम के निकट स्थित पूर्वी घाट (Eastern Ghats) की सबसे ऊंची पर्वत चोटी कौन-सी है? (भूगोल)

उत्तर: जिंदागड़ा शिखर (Jindhagada Peak - 1,690 मीटर)

व्याख्या: पूर्वी घाट पर्वतमाला का सर्वोच्च शिखर 'जिंदागड़ा' (Jindhagada Peak) है, जो आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम जिले में अराकू घाटी के निकट स्थित है। इसकी समुद्र तल से कुल ऊंचाई 1,690 मीटर (5,545 फीट) है। इससे पूर्व सामान्यतः 'अर्माकोंडा' (1,680 मीटर) या ओडिशा के कोरापुट स्थित 'देवमाली' (1,672 मीटर) और 'महेंद्रगिरि' (1,501 मीटर) को प्रमुख चोटियों के रूप में जाना जाता था। पश्चिमी घाट की तुलना में पूर्वी घाट एक असतत (खंडित) और अपेक्षाकृत कम ऊंची पर्वत श्रृंखला है, जिसे महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी बड़ी पूर्व-वाहिनी नदियों ने चौड़े डेल्टाई मैदान बनाकर जगह-जगह से काट दिया है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 2 "भारत का भौतिक स्वरूप", p. 12-14;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद संसद को देश में 'नए राज्यों के निर्माण' तथा वर्तमान राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में साधारण बहुमत से परिवर्तन करने की अनन्य शक्ति प्रदान करता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 3 (Article 3)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-1 में संघ और उसके राज्यक्षेत्र के अंतर्गत 'अनुच्छेद 3' संसद को यह असाधारण विधायी शक्ति देता है कि वह विधि द्वारा: (क) किसी राज्य में से उसका राज्यक्षेत्र अलग करके या दो या अधिक राज्यों को मिलाकर नया राज्य बना सकती है; (ख) किसी राज्य का क्षेत्र बढ़ा या घटा सकती है; तथा (ग) किसी राज्य की सीमाओं या नाम में परिवर्तन कर सकती है। इस हेतु विधेयक केवल राष्ट्रपति की पूर्व सिफारिश पर ही संसद में प्रस्तुत किया जा सकता है, तथा राष्ट्रपति संबंधित राज्य विधानमंडल को अपने विचार व्यक्त करने हेतु भेजते हैं (यद्यपि संसद राज्य के विचारों को मानने के लिए बाध्य नहीं है)। यह प्रक्रिया साधारण बहुमत से पूरी होती है, जिसके कारण भारत को 'विनाशी राज्यों का अविनाशी संघ' कहा जाता है।

संदर्भ: Constitution of India, Part I, Article 3; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 1 एवं Ch 7 "संघवाद", p. 154-158;

प्र.8. किसी माध्यम के निर्वात के सापेक्ष प्रकाश मोड़ने की क्षमता को व्यक्त करने वाले अनुपात (निर्वात में प्रकाश की चाल / माध्यम में प्रकाश की चाल) को क्या कहा जाता है? (विज्ञान)

उत्तर: निरपेक्ष अपवर्तनांक (Absolute Refractive Index)

व्याख्या: प्रकाशिकी में किसी पारदर्शी माध्यम का 'निरपेक्ष अपवर्तनांक' (Absolute Refractive Index) उस माध्यम में प्रकाश के संचरण वेग की माप प्रस्तुत करता है। इसे प्रतीक 'n' से व्यक्त किया जाता है। गणितीय सूत्र: $n = c / v$, जहाँ c निर्वात में प्रकाश की चाल ($3 \times 10^8 \text{ m/s}$) तथा v उस विशिष्ट माध्यम में प्रकाश की चाल है। अपवर्तनांक दो समान राशियाँ (चालों) का अनुपात होने के कारण एक मात्रक-हीन (Unitless) और विमाहीन संख्या है। निर्वात का अपवर्तनांक 1 होता है, वायु का 1.0003, जल का 1.33 तथा हीरे का अपवर्तनांक 2.42 (सर्वाधिक) होता है। जिस माध्यम का अपवर्तनांक जितना अधिक होता है, वह उतना ही अधिक प्रकाशिक सघन (Optically Denser) होता है और उसमें प्रकाश की चाल उतनी ही धीमी हो जाती है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 "प्रकाश - परावर्तन तथा अपवर्तन", p. 187-190;

प्र.9. 11वीं शताब्दी में गुजरात के पाटन में सोलंकी/चालुक्य वंश की रानी उदयामति द्वारा अपने दिवंगत पति राजा भीमदेव प्रथम की स्मृति में निर्मित 7-मंजिला यूनेस्को विश्व धरोहर सीढ़ीदार बावड़ी कौन-सी है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: रानी की वाव (Rani ki Vav - पाटन)

व्याख्या: 'रानी की वाव' (रानी की बावड़ी) गुजरात के पाटन में सरस्वती नदी के तट पर स्थित भूमिगत जल-वास्तुकला (Stepwell) का एक विश्वप्रसिद्ध और बेजोड़ नमूना है। इसका निर्माण 11वीं शताब्दी (लगभग 1063 ईस्वी) में सोलंकी वंश की रानी उदयामति ने कराया था। यह मारू-गुर्जर स्थापत्य शैली में निर्मित सात मंजिला गहरी बावड़ी है, जिसे एक उल्टे मंदिर (Inverted Temple) के रूप में डिज़ाइन किया गया है ताकि जल के आध्यात्मिक महत्व को दर्शाया जा सके। इसकी दीवारों और स्तंभों पर भगवान विष्णु के दशावतारों, अप्सराओं और पौराणिक प्रसंगों की 800 से अधिक उत्कृष्ट मूर्तियाँ उकेरी गई हैं। वर्ष 2014 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया तथा इसे भारतीय 100 रुपये के नए नोट पर भी चित्रित किया गया है।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p. 78-82;

प्र.10. 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जयप्रकाश नारायण (जेपी) ने बिहार के युवकों को छापामार युद्ध और ब्रिटिश संचार साधनों को ध्वस्त करने का प्रशिक्षण देने हेतु नेपाल के जंगलों में किस गुप्त संगठन की स्थापना की थी? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: आजाद दस्ता (Azad Dasta)

व्याख्या: 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान 9 नवंबर 1942 को दिवाली की रात 'लोकनायक' जयप्रकाश नारायण अपने साथियों (योगेंद्र शुक्ल, रामानंद मिश्र, सूरज नारायण सिंह आदि) के साथ हजारीबाग सेंट्रल जेल की ऊंची दीवार फांदकर फरार हो गए। इसके उपरांत उन्होंने नेपाल के तराई क्षेत्र में स्थित 'बकरा टापू' (राजविलास जंगल) को अपना गुप्त केंद्र बनाया और 'आजाद दस्ता' (Azad Dasta) का गठन किया। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को गुरिल्ला/छापामार युद्ध, हथियारों के संचालन, तथा ब्रिटिश शासन की संचार व्यवस्था (टेलीफोन तार काटना, रेलवे ट्रैक उखाड़ना, डाकघरों को नुकसान पहुंचाना) को पंगु बनाने का प्रशिक्षण देना था। राममनोहर लोहिया इसके रेडियो व प्रचार विभाग के प्रमुख थे।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 9 "राष्ट्रीय आंदोलन का संघटन", p. 121-124;



प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W4 – सड़क दुर्घटना में बचाव के संदर्भ में जानकारी) के अनुसार स्कूल बस या वैन में चढ़ते व उतरते समय विद्यार्थियों को किस 'अंधे क्षेत्र' (School Bus Blind Spots) से दूर रहना चाहिए और सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की जान बचाने में 'गोल्डन ऑवर' (Golden Hour) का क्या महत्व है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: बस के आगे व पीछे 10 फीट की खतरनाक परिधि से दूर रहना; दुर्घटना के प्रथम 60 मिनट में चिकित्सीय उपचार से 50% जीवन रक्षा

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W4: सड़क दुर्घटना में बचाव के संदर्भ में जानकारी) और सड़क सुरक्षा दिशानिर्देशों के अनुसार: (1) स्कूल बस का डेंजर ज़ोन (Danger Zone / Blind Spots) – स्कूल बस के ठीक आगे (कम से कम 10 फीट), दोनों किनारों और ठीक पीछे का क्षेत्र चालक की सीधी नजर से ओझल (अंधा क्षेत्र) रहता है; बस से उतरने के तुरंत बाद कभी भी बस के ठीक आगे या पीछे से सड़क पार करने की भूल न करें; बस चालक से हमेशा सुरक्षित दूरी बनाए रखें और चालक से नज़रें मिलाकर (Eye Contact) ही आगे बढ़ें; (2) 'गोल्डन ऑवर' (Golden Hour) की महत्ता – मोटर वाहन संशोधन अभिनियम 2019 के अनुसार, किसी गंभीर सड़क दुर्घटना के पश्चात का प्रथम 1 घंटा 'स्वर्णिम घंटा' कहलाता है; इस अवधि में यदि अत्यधिक रक्तस्राव वाले या सिर की चोट से पीड़ित व्यक्ति को प्राथमिक उपचार और अस्पताल पहुँचा दिया जाए, तो उसकी मृत्यु की आशंका 50 प्रतिशत तक घट जाती है; (3) 'नैक व्यक्ति' (Good Samaritan) सुरक्षा – घायल की तुरंत मदद करने वाले नागरिक से पुलिस या अस्पताल द्वारा कोई अनपेक्षित पूछताछ या कानूनी दबाव नहीं बनाया जा सकता, अतः तुरंत आपातकालीन नंबर 112/108 पर कॉल कर घायल को निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाएं।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W4 – "सड़क दुर्घटना में बचाव के संदर्भ में जानकारी";



प्र.12. 6 घंटियों एक साथ बजना शुरू होती हैं और वे क्रमशः 2, 4, 6, 8, 10 और 12 सेकंड के अंतराल पर बजती हैं। बताइए 30 मिनट में वे सभी घंटियाँ एक साथ कुल कितनी बार बजेंगी? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 16 बार

व्याख्या: यह लघुतम समापवर्त्य (LCM) पर आधारित एक अत्यंत प्रसिद्ध, तार्किक और प्रतियोगी परीक्षाओं का मानक गणितीय प्रश्न है।

सर्वप्रथम सभी समय अंतरालों (2, 4, 6, 8, 10, 12 सेकंड) का ल.स. (LCM) ज्ञात करते हैं:

अभाज्य गुणखंड:

$$2 = 2, 4 = 2^2, 6 = 2 \times 3, 8 = 2^3, 10 = 2 \times 5, 12 = 2^2 \times 3$$

$$\text{LCM} = 2^3 \times 3 \times 5 = 8 \times 3 \times 5 = 120 \text{ (सेकंड)}$$

120 सेकंड = $120 / 60 = 2 \text{ (मिनट)}$ । अर्थात्, वे सभी घंटियाँ प्रत्येक 2 मिनट के अंतराल पर एक साथ बजती हैं।

कुल दिया गया समय = 30 मिनट।

30 मिनट की अवधि में एक साथ बजने की संख्या = $30 / 2 = 15 \text{ (बार)}$ ।

चूँकि घंटियाँ प्रारंभ में भी एक साथ बजी थीं (0वें मिनट पर), अतः कुल बजने की संख्या = $15 + 1 = 16 \text{ (बार)}$ होगी।

अतः 30 मिनट में वे सभी घंटियाँ एक साथ कुल 16 बार बजेंगी।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 6, Ch 3 "संख्याओं के साथ खेलना" (Playing with Numbers - LCM), p. 60-65;

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Banal (बेनल) = Trite (ट्राइट) = घिसा-पिटा / नीरस / साधारण
Antonym – Novel (नॉवल) = नवीन / अनोखा
2. Copious (कोपियस) = Abundant (अबन्डन्ट) = प्रचुर / भरपूर / विपुल
Antonym – Scarce (स्केयर्स) = अल्प / दुर्लभ
3. Diffuse (डिफ्यूज़) = Disperse (डिस्पर्स) = फैलाना / बिखेरना
Antonym – Concentrate (कॉन्सन्ट्रेट) = केंद्रित करना / एकत्र करना
4. Impeccable (इम्पेकबल) = Flawless (फ्लॉलेस) = त्रुटिहीन / बेदाग
Antonym – Defective (डिफेक्टिव) = दोषपूर्ण / त्रुटिपूर्ण
5. Reprehensible (रेप्रिहेन्सिबल) = Blameworthy (ब्लेमवर्दी) = निंदनीय / दोषपूर्ण
Antonym – Commendable (कमेन्डेबल) = प्रशंसनीय / सराहनीय



~: संकलन ~:

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2, प. चम्पारण।



"आज का अखबार"

NATIONAL NEWS



Raksha Mantri calls for 'Aatmanirbharta 2.0'; DAC clears ₹2.12 lakh crore capital acquisition proposals
हिन्दी अनुवाद: रक्षा मंत्री ने 'आत्मनिर्भरता 2.0' का आह्वान किया; DAC ने ₹2.12 लाख करोड़ के पूंजीगत अधिग्रहण प्रस्तावों को मंजूरी दी।
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने SWAVLAMBAN 2026 में रक्षा आत्मनिर्भरता में अगली छलांग के लिए 'आत्मनिर्भरता 2.0' का आह्वान किया। रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने रक्षा बलों के लिए ₹2.12 लाख करोड़ के पूंजीगत अधिग्रहण प्रस्तावों को मंजूरी दी है।

India's defence production reaches ₹1.80 lakh crore; defence exports hit record ₹38,424 crore
हिन्दी अनुवाद: भारत का रक्षा उत्पादन ₹1.80 लाख करोड़ तक पहुँचा; रक्षा निर्यात रिकॉर्ड ₹38,424 करोड़ हुए।
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का रक्षा उत्पादन ₹1.80 लाख करोड़ तक पहुँच गया है। रक्षा निर्यात रिकॉर्ड ₹38,424 करोड़ तक पहुँचा है।

Ministry of Defence signs ₹770 crore contract for improved low level light weight radars for Indian Army
हिन्दी अनुवाद: रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना के लिए उन्नत निम्न स्तरीय हल्के रडारों की खरीद के लिए ₹770 करोड़ का अनुबंध किया।
रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना के लिए उन्नत निम्न स्तरीय हल्के रडारों (LLLR-I) की खरीद के लिए ₹770 करोड़ का अनुबंध किया है। यह अनुबंध सेना की वायु निगरानी क्षमताओं को बढ़ावा देगा।

INTERNATIONAL NEWS

Houthi claim new attack on Riyadh airport; Saudi-led coalition intercepts ballistic missile
हिन्दी अनुवाद: हूथियों ने रियाद हवाई अड्डे पर नया हमला करने का दावा किया; सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने बैलिस्टिक मिसाइल रोकी।
यमन के हूथियों ने रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नए बैलिस्टिक मिसाइल हमले का दावा किया। सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने रियाद की ओर दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल को रोकने का दावा किया।

US military repositioning personnel at bases in the Middle East; IRGC threatens US bases if tankers continue 'illegal' routes through Hormuz
हिन्दी अनुवाद: अमेरिकी सेना मध्य पूर्व के ठिकानों पर कर्मियों को पुनर्स्थापित कर रही है; IRGC ने कहा कि टैंकर होर्मुज़ से 'अवैध' रास्ते से गुजरते रहे तो अमेरिकी ठिकानों पर हमला करेगा।
अमेरिकी सेना मध्य पूर्व के ठिकानों पर कर्मियों को पुनर्स्थापित कर रही है। ईरान के इस्लामी क्रांतिकारी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने चेतावनी दी कि यदि वाशिंगटन जहाजों को खनिज जलमार्गों से अवैध रूप से गुजरने के लिए प्रोत्साहित करती रही तो वह संघर्ष को क्षेत्रीय अमेरिकी ठिकानों तक बढ़ाएगा।

Saudi-led coalition foils Houthi missile strike; Houthis repeatedly attack Saudi military and oil infrastructure
हिन्दी अनुवाद: सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने हूथी मिसाइल हमले को विफल किया; हूथियों ने सऊदी सैन्य और तेल बुनियादी ढांचे को बार-बार निशाना बनाया।
सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने हूथियों के मिसाइल हमले को विफल करने का दावा किया। हूथी हमलों से सऊदी सैन्य और तेल बुनियादी ढांचे को बार-बार निशाना बनाया जा रहा है।

BIHAR NEWS

Bihar floods affect nearly 50 lakh people across 15 districts; CM transfers ₹112 crore relief via DBT to over 1.6 lakh families

हिन्दी अनुवाद: बिहार में 15 जिलों में लगभग 50 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित; CM ने 1.6 लाख से अधिक परिवारों को DBT के जरिए ₹112 करोड़ की राहत भेजी।

आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, पटना, भोजपुर और सारण सहित 15 जिलों में 49.67 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 1,60,201 प्रभावित परिवारों के बैंक खातों में ₹112.14 करोड़ की राहत राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के जरिए भेजी। राज्य सरकार ने प्रति परिवार ₹7,000 की सहायता देने की व्यवस्था की है।

Ganga erosion intensifies in Vaishali and Bhagalpur; 100-foot stretch of land submerged in Bhagalpur's Sabour

हिन्दी अनुवाद: वैशाली और भागलपुर में गंगा का कटाव तेज; भागलपुर के सबौर में 100 फीट लंबी भूमि गंगा में समाई।

वैशाली जिले के देसरी के खड़गपुर में गंगा नदी का कटाव तेज हो गया है। भागलपुर के सबौर प्रखंड क्षेत्र की ममलखा पंचायत स्थित मसाहू गाँव में एक घंटे के अंदर 100 फीट लंबा और 10 फीट चौड़ा भूमि का हिस्सा गंगा में समा गया।

SPORTS NEWS

India vs New Zealand 3rd T20I: India aim for unassailable 3-0 lead; Ishan Kishan ruled out, Vaibhav Sooryavanshi likely to retain place

हिन्दी अनुवाद: भारत बनाम न्यूज़ीलैंड तीसरा T20I: भारत अजेय 3-0 की बढ़त का लक्ष्य रखता है; इशान किशन बाहर, वैभव सूर्यवंशी की जगह बनी रहने की संभावना।

भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच पाँच मैचों की T20I श्रृंखला का तीसरा मैच आज वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत श्रृंखला में 2-0 की बढ़त लेकर मैच में उतरेगा। इशान किशन को दाहिने एडक्टर में हल्के खिंचाव के कारण तीसरे T20I से बाहर रखा गया है। वैभव सूर्यवंशी को टीम में शामिल रखने की संभावना है।

India aim to seal series with 3-0 lead; New Zealand face must-win situation

हिन्दी अनुवाद: भारत श्रृंखला सील करने का लक्ष्य रखता है; न्यूज़ीलैंड के सामने जीतना जरूरी स्थिति।

भारत ने पहले दोनों T20I जीते हैं और श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बनाई है। तीसरे मैच में जीत से भारत अजेय 3-0 की बढ़त बना लेगा और श्रृंखला सील कर लेगा। न्यूज़ीलैंड के लिए यह करो या मरो जैसा मुकाबला है।



संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण ।

CURRENT AFFAIRS OF THE DAY (करेंट अफेयर्स ऑफ द डे)

“आत्मनिर्भरता 2.0: रक्षा उत्पादन ₹1.80 लाख करोड़, निर्यात ₹38,424 करोड़”

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने SWAVLAMBAN 2026 में ‘आत्मनिर्भरता 2.0’ का आह्वान किया। भारत का रक्षा उत्पादन ₹1.80 लाख करोड़ तक पहुँच गया है और रक्षा निर्यात रिकॉर्ड ₹38,424 करोड़ तक पहुँचा है। DAC ने रक्षा बलों के लिए ₹2.12 लाख करोड़ के पूंजीगत अधिग्रहण प्रस्तावों को मंजूरी दी है।

बुद्धिमान और चतुर में अंतर



एक दिन आचार्य चाणक्य अपने शिष्यों को पढ़ा रहे थे। तभी उन्होंने एक प्रश्न पूछा, “बताओ, बुद्धिमान और चतुर व्यक्ति में क्या अंतर होता है?”

एक शिष्य तुरंत बोला, “गुरुदेव! जो दूसरों को अपनी बातों में उलझाकर अपना काम निकाल ले, वह चतुर है। और जो हर परिस्थिति में सही निर्णय ले, वह बुद्धिमान है।”

चाणक्य मुस्कराए। बोले, “उत्तर अच्छा है, लेकिन अनुभव के बिना ज्ञान अधूरा है। कल तुम्हारी बुद्धिमत्ता की असली परीक्षा होगी।”

अगली सुबह चाणक्य ने दो शिष्यों को बुलाया। दोनों को एक-एक मुद्रा दी और कहा, “बाजार जाओ। इस मुद्रा से ऐसी वस्तु खरीदकर लाओ, जिससे हमारे गुरुकुल के सभी लोगों को प्रसन्नता मिले।”

पहला शिष्य बाजार पहुँचा। उसने अपनी चतुराई से दुकानदारों को खूब समझाया, मोलभाव किया और मुद्रा बचाने के लिए एक बड़ा-सा खाली टोकरी खरीद लाया। लौटकर बोला, “गुरुदेव! देखिए, मैंने पूरी मुद्रा खर्च किए बिना काम कर दिया।”

चाणक्य ने कुछ नहीं कहा।

दूसरा शिष्य बाजार गया। उसने रास्ते में एक वृद्ध किसान को देखा, जिसकी सब्जियाँ बिक नहीं रही थीं। उसने किसान से उचित मूल्य पर ताजी सब्जियाँ खरीदीं और गुरुकुल लौट आया। फिर रसोइये से कहा कि आज सभी के लिए स्वादिष्ट भोजन बनाया जाए।

दोपहर को गुरुकुल में सबने भोजन किया। किसान को उचित कमाई मिली, शिष्यों और शिक्षकों को अच्छा भोजन मिला और रसोइये को भी खुशी हुई।

चाणक्य ने दोनों शिष्यों को सामने बुलाया। पहले से पूछा, “तुमने मुद्रा बचा ली। लेकिन तुम्हारी चतुराई से किसका भला हुआ?”

वह सिर झुकाकर बोला, “किसी का नहीं, गुरुदेव।”

फिर दूसरे से पूछा, “तुमने मुद्रा खर्च कर दी। क्या तुमने नुकसान किया?”

शिष्य ने उत्तर दिया, “नहीं गुरुदेव। मुद्रा तो खर्च हुई, लेकिन उससे कई लोगों के चेहरे पर मुस्कान आई।”

चाणक्य ने गंभीर स्वर में कहा, “चतुर व्यक्ति अक्सर यह सोचता है कि कम से कम देकर अधिक से अधिक कैसे पाया जाए। बुद्धिमान व्यक्ति यह सोचता है कि उपलब्ध साधनों से सही और सार्थक काम कैसे किया जाए। चतुराई तुम्हें लाभ दिला सकती है, लेकिन बुद्धिमत्ता तुम्हें सही लाभ और सही मार्ग चुनना सिखाती है।”

कुछ क्षण रुककर उन्होंने कहा, “याद रखो, दूसरों को हराकर आगे निकलना चतुराई हो सकती है, लेकिन दूसरों को साथ लेकर आगे बढ़ना बुद्धिमत्ता है।”

उस दिन शिष्यों ने समझ लिया कि असली बुद्धिमत्ता केवल अपनी जीत में नहीं, बल्कि अपने निर्णय से पैदा होने वाले अच्छे परिणामों में होती है।

सीख: चतुराई अवसर पहचानती है, बुद्धिमत्ता उस अवसर का सही उपयोग करना सिखाती है।



.....
मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।





आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-25

सोचो... समझो... हल करो...

3			6			2		
							6	7
	1			4	2			
7	8	2						
5			7			3		9
2					5			8
						4		3
	7	8			4		9	

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक 3x3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।

आज का विचार

"मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।"

— कबीरदास

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

3	9	8	6	7	1	2	5	4
8	2	4	3	5	9	1	6	7
6	1	7	5	4	2	9	3	8
7	5	2	4	9	3	6	8	1
4	3	9	6	1	8	5	7	2
5	6	1	7	2	5	3	4	9
2	4	3	9	6	5	7	1	8
9	6	8	1	5	7	4	2	3
1	7	5	2	3	4	6	9	8

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 6, श्लोक 26
यतो यतो निश्चरति मनश्चञ्चलमस्थिरम्।
ततस्ततो नियम्यैतदात्मन्येव वशं नयेत्॥

सरल हिन्दी अर्थ:

यह अत्यंत चंचल और अस्थिर मन जिन-जिन विषयों के पीछे भटके या भागे, उन-उन विषयों से इसे बार-बार रोककर (खींचकर) केवल अपनी अंतरात्मा (अपने लक्ष्य और केंद्र) में ही स्थिर करना चाहिए।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

श्रीकृष्ण यहाँ मन की चंचलता को एक स्वाभाविक सत्य के रूप में स्वीकार करते हैं। वे यह नहीं कहते कि "मन कभी भटकेगा ही नहीं।" वे ध्यान और एकाग्रता की सबसे व्यावहारिक विधि समझाते हैं—सजग वापसी (Gentle Redirection)।

- चञ्चलमस्थिरम् (The Nature of Mind): मन का स्वभाव ही तितली जैसा है, वह एक विचार से दूसरे विचार पर उड़ेगा ही। इसलिए जब मन भटके, तो खुद पर गुस्सा करने या हताश होने की ज़रूरत नहीं है।
- ततस्ततो नियम्य (Non-Judgmental Refocusing): आधुनिक ध्यान (Mindfulness) का मूल आधार यही है: जैसे ही आपको अहसास हो कि आपका ध्यान भटक गया है, बिना किसी आत्म-आलोचना या अपराधबोध के, मन को धीरे से पकड़कर वापस वर्तमान कार्य या लक्ष्य पर ले आइए। जितनी बार भागे, उतनी बार लौटाइए।

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण ।



आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏



मंडे पॉजिटिव

सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकान्त मिश्र/बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रगाढ़ शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चंपारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पौडोसफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिक्षकों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चंपारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोटसर के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संस्कृत शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चंपारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह रौलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यवसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकलकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम छात्र पर पड़ेगा जो देश का भविष्य है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

एकदम शान्तिय
बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक ज्ञानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरू हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैली है। इसका उद्देश्य है कि प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नवी ज्ञानकारी मिलती है। हम

जात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवस्थानी पंचायत के राजकीय उत्कर्मित माध्य विद्यालय औरसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के बच्चों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोटसर

- वेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरू हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि अखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाय तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफ़ी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की

01
सौ आठ अंक का ले
बुका प्रकाशन



श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले बच्चों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में वेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिक का उत्सर्जन कहा से होता है, तबो का वर्गीकरण किसने किया। श्वित् परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, खैरती के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाधार, विदेशी समाधार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेररक प्रश्न शामिल हैं।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूर जगन्नाथ। बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊँचाई देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सहायक शैक्षिक पालक सम्मने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के समुदायिक संकल्प और समर्पण से यह पालक हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चंपारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बस रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के समुदायिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, सामुदायिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनव्यवस्था बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकर ले रही इस पालक का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोटसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों को एक टीम हिन्दू कुमार, सौर कुमार,



प्रखंड संसलन केंद्र बगहा दो - जगन्नाथ

राज, मनेज कुमार और मनेज कुमार झा प्रतियोगिता पत्रिका का संकलन और प्रकाशन कर रही हैं। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यालयों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

संस्कृतिक मॉडल से साक्षीगण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'संस्कृतिक मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रश्न जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यालयों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बढ़ने के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तिगत विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

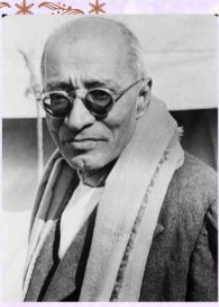
संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है। शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियाँ, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जगन्नाथ: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जगन्नाथ फोकस कर रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सराका

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9



प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल: 'राजाजी' चक्रवर्ती राजगोपालाचारी

प्यारे बच्चों, क्या आप जानते हैं कि जब 1947 में हमारा देश आज़ाद हुआ, तो अंग्रेज़ों के जाने के बाद देश के सबसे बड़े संवैधानिक पद यानी 'गवर्नर जनरल' की गद्दी पर बैठने वाले पहले और एकमात्र भारतीय कौन थे? वे दक्षिण भारत के एक ऐसे प्रखर विद्वान, चतुर रणनीतिकार और सादगीपसंद महापुरुष थे, जिन्हें महात्मा गांधी अपने 'विवेक का रक्षक' (कीपर ऑफ माय कॉन्शियस) मानते थे। पूरा देश उन्हें प्यार और आदर से 'राजाजी' कहकर पुकारता है। वे थे चक्रवर्ती राजगोपालाचारी!

राजाजी का जन्म 10 दिसंबर 1878 को तमिलनाडु के धर्मपुरी ज़िले के एक छोटे से सुंदर गाँव 'तोरपल्ली' के एक विद्वान श्रीवैष्णव ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता श्री चक्रवर्ती वेंकटार्यन गाँव के मुंसिफ (मुखिया) और संस्कृत व वेदों के प्रकांड विद्वान थे। उनकी माता श्रीमती सिंगारम्मा अत्यंत धर्मपरायण, स्नेहमयी और संस्कारी महिला थीं। नन्हे राजन बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि, शांत और गहन विचारशील बालक थे। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा होसुर और बेंगलुरु के सेंट्रल कॉलेज से पूरी की। इसके बाद उन्होंने मद्रास (चेन्नई) के प्रेसीडेंसी कॉलेज से कानून (वकालत) की पढ़ाई पूरी की।

वकालत शुरू करते ही वे सलेम शहर के सबसे कामयाब और लोकप्रिय वकील बन गए। वे इतने ईमानदार और दयालु थे कि गरीबों और शोषितों के मुकदमे बिना कोई फीस लिए लड़ते थे। सलेम नगर पालिका के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने छुआछूत के खिलाफ कड़े कदम उठाए और सफाईकर्मियों के बच्चों के लिए स्कूल खुलवाए। जब 1919 में उनकी भेंट महात्मा गांधी से हुई, तो बापू के सत्य और अहिंसा के विचारों ने उनके दिल को छू लिया। उन्होंने अपनी लाखों की आमदनी वाली वकालत एक झटके में त्याग दी और खादी का सादा कुर्ता-धोती पहनकर आज़ादी की लड़ाई में कूद पड़े।

1930 में जब गांधीजी ने गुजरात में ऐतिहासिक 'दांडी नमक सत्याग्रह' किया, तो दक्षिण भारत में नमक कानून तोड़ने की कमान राजाजी ने संभाली। उन्होंने तिरुचिरापल्ली से वेदारण्यम तक लगभग 240 किलोमीटर की ऐतिहासिक 'वेदारण्यम नमक यात्रा' का सफल नेतृत्व किया। अंग्रेज़ पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया, पर वे कभी विचलित नहीं हुए। उनकी तीक्ष्ण बुद्धि, दूरदर्शिता और अद्भुत कूटनीति के कारण लोग उन्हें प्यार से 'आधुनिक भारत का चाणक्य' कहने लगे।

1948 में जब लॉर्ड माउंटबेटन भारत से लौटे, तो राजाजी स्वतंत्र भारत के प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल बने। इतने विशाल और वैभवशाली राष्ट्रपति भवन में रहते हुए भी वे एक सच्चे संन्यासी की तरह सादगी से रहे। बाद में उन्होंने देश के गृह मंत्री और मद्रास प्रांत के मुख्यमंत्री के रूप में भी शासन को निष्पक्षता से चलाया। वे केवल एक महान नेता ही नहीं, बल्कि अद्भुत साहित्यकार भी थे। उन्होंने बच्चों और युवाओं के लिए तमिल भाषा में 'रामायण' और 'महाभारत' का अत्यंत सरल और सुंदर अनुवाद किया, जिसे आज भी बड़े चाव से पढ़ा जाता है।

राष्ट्र के प्रति उनकी अमर सेवाओं के लिए वर्ष 1954 में उन्हें देश के सबसे पहले 'भारत रत्न' सम्मान से विभूषित किया गया। 25 दिसंबर 1972 को 94 वर्ष की आयु में इस महान दार्शनिक और देशभक्त ने अंतिम साँस ली। प्यारे बच्चों, राजाजी का पावन जीवन हमें सिखाता है कि हमेशा सच और अपने विवेक की आवाज़ सुनो, ज्ञान से अपने मस्तिष्क को समृद्ध करो और बड़े से बड़े पद पर पहुँचकर भी अपने मन में सादगी और विनम्रता बनाए रखो।



शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2





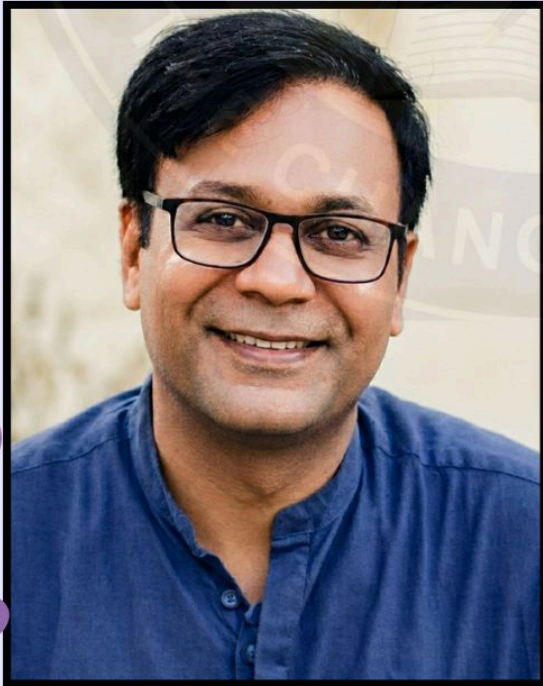
Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और
जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿 🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के
लिए।



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)



-9939671700

आज का विचार:

एकाग्रता कोई जादू नहीं, बल्कि बार-बार लौटने का अभ्यास है।
मन का भटकना उसकी प्रकृति है, लेकिन उसे हर बार शांत भाव से
अपने कर्तव्य पर लौटा लाना आपकी वास्तविक शक्ति है।

+917250818080



teachersofbihar@gmail.com



+917250818080



www.teachersofbihar.org

